

Mantra ilitsä
83

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जयत्वा मालिनीं देवि निर्मलमवनासिनि बहुमानशक्तियुत
द्वित्वं भक्तवर्धनि ॥ जननी सर्वरुगानां संसारसिन्धवसिन्हा ॥ मानाविना
विधविकाबुद्धं कुरु वत्सव ॥ नवं तु त्वामहादेवि भक्तवर्धनमहान्मना ॥ नमो
लिंगविनिमूर्कं निर्गमाय नमः श्रुवा ॥ धनयधुवलि ॥ ॐ ह्रीं कूलयूगवतुक
नाथाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ह्रीं किं कुरुयालाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ज्ञां स
र्वजागिनीत्या वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ह्रीं ॐ सिद्धिवामुन्दाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥
मं गिं गुंगकूबगलाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ चन्द्रनाथकयूषानमः ॥ ॥

निदं दथानि काद्य गजमूदाद गयन ॥ धनमूदाकन ॥ विन्दुविय ३॥
 आनाथायनम सिद्धिनाथायनम श्री कृष्णनेनाथायनम ॥ दसंयादेका ३॥
 दवधियावनय ॥ ज श्रीसंवरुमिन्दवानेकमयदनहिनानन्दमकि सुलिमा शु
 र्मिन्नायवतुस्कं अकुवकु वगर्नय ३ कं वान्यव कं यत्वा था व कं का न्ययूनव
 विवतु वं नरुगा भामलुनं संशृङ्खलननमो नमश्च गुवृ गवर्ले ववं श्री कृष्ण ॥
 मंजु अलं अन्ननमन्दव आदिधव श्री यादूकां यूज्या मिनम ॥ भाउसनन ॥
 कसनाययादूकां ॥ द्वां कृष्णया नाय श्री यादूकां यूज्या मिनम ॥ वलि ॥ ॥ ॥

॥ कृपावायवलिंशुद्र २ स्वाहा ॥ मयूबासनाययादुर्का ॥ वां वहु कनाथयशी
यादुर्कायुज्यामिनमः ॥ वां वहु कनाथयवलिंशुद्र २ स्वाहा ॥ मयूबासनायया
दुर्का ॥ गं गिं गुं गं कनग ॥ लश्चवायशीयादुर्कायुज्यामिनमः ॥ गं गिं गुं गं क
नग ॥ लश्चवायवलिंशुद्र २ स्वाहा ॥ वन्दनाद्वनयूयनमः ॥ ध्यान ॥ नुं जयद्वा
सनसवसुयं ॥ दमवकुलिलायनं ॥ अस्मादमाहु उं दवं कवं धरावहु वि
तं ॥ नवं नूयनवात्मानं मन्दवं गुनमलुलं धायइ कथयुनात्मावियसिद्धि
मानवा ॥ शीनवान्मागुनमलुलाय ध्यानयूयनमः ॥ ॐ ति शीनवान्मागुनमलु

लायइ गार्धयादार्धज्वा वमनियस्त्रानंनमः ॥ शीनवान्मागुनमलुलाय वन्दन
सिद्धयूयनमः ॥ क्रिया उं लि ॥ यनवयदथ ॥ नुं जहसकमनवलर्युं ज्ञानव
मकिं हेववाननृ विराधियय म् ॥ श्रीमहाविद्यावा उं श्वरी द्वा ॥ श्रीयादुर्कायु
यं यामिनमः ॥ ३ ॥ निम ॥ ० ॥ ॥ महुं वीयं महावनिवी ॥ य ॥ समसु
मनु यिधिसिहासनयि ॥ थय ॥ यिं श्रुतायद्वशासंदाद ॥ य ॥ यसादहदि
यसिद्धिसमयवकयादुर्कावलिंशुद्र २ स्वाहा ॥ उक्तां कं यने किं वि निधा
यमसुवलिंशुद्र २ स्वाहा ॥ वन्दनसिद्धयूयदीयनं वदंनमः ॥ वेलिसनय ॥

॥ यस्मात् ॥ कौ स्वाहा ॥ श्रीं कौ स्वाहा ॥ ग नूं स्वाहा ॥ ह स नूं सह कूं स्वाहा ॥ न
ॐ ब्रह्म लु मन्दला का वं ध्यायं ऊ न व वा व नं न त्प द न सि द ध न न न म् श्री गु व व
न म शा उ का धा नि रा या धा ह स व म व द धा धा वूं दै रा क लि झं वा यू धा द्यो ऊ न न ल म
स गि स क वा वि न्द ना धे व यू कं न नि डि न् ग ग र्ग व धा न नि डि य न म क वा र्धे व
धाम लु मू लि न या या द व न न वा त्मा ग क ने रु रा हं वं र्धे व वं श्री कू ऊ म ॥ श्री स
व म्म मं द न म् ॥ श्री स व र्ध म न्द वा न क क म य व न हि तान न न्द ग कि स रि मा ॥
शु सि न्धा य व डु र्कं शु कू न कू न ग र्ग य र्ध कं वा न्ध र्ध कं व त्वा वा य र्ध कं न्ध य

न व यि व डु वं न न्ना म लु ल नं स शृ स ऊ न न म्म न म थ गु व ग नं र्धे व वं श्री कू
ऊ स शा न्द्रूं का वा स न मा नू रा व ड य न्ना य वी सि न्ता र्ध य का डू वा द वी श्री कू
रुि का धा नि मा मी ॥ मा या कू लु ली नि क्रि या म धू म ति क वा काली कला मा लिनी
मा न्गी वि डु या डु या रु ग व ति द वि मि वा र्धं रु वि वा र्ध कि र्ग क ल व न रु कि न
य नां वा र्ध दि नी र्धे व वि डूं कालि क्रि यू ना य न म यि मा गा क मा वि डु सि ॥ आ वा
ह नं न जा ना मि न जा ना मि वि स र्ज नं यू जा र्धे व न जा ना मि क म स य न म् ॥
वी ॥ क म स य द व द सि व सि कू डि क य न म् ॥ श्री ॥ आ य ना रु स क या नि डू

[illegible]

बुद्धां श्रीं बुद्धो स्वाहा वावलि अथ वादौ ज्वात्मनस्त्राय स्वाहा वादौ वि
द्यामन्त्राय स्वाहा वा दूजिवन्त्राय स्वाहा वानि सिय ३ वावलिविय वा
अस्य स्नानं कुरुयात्ताय बलिं गृह्णा २ स्वाहा वा ॐ ह्रदेव देव न्यालाय बलिं
गृह्णा २ स्वाहा वा सर्वदेव कुलनाय। बलिं गृह्णा २ स्वाहा वा सूर्यसावित्राय वा
नित्यकर्म देवा च नार्थं कां को सकृन्नित्यं सावित्रीं शीतूर्याय यूर्ध्वान मः॥
शुभ संभवन् क्तं स न द्वा र्ण शुभ मुक्ता पुष्प मिलि विरंगी धवन निधेवन आ
या उ था दृष्टं त थालि विरंगी निधी क दि का दानि ल क र्मा समा क ॥ ६५

ॐ नमो माहायै विष्णवे नमः कला साहा ॐ नमो का
नला विष्णवे साहा ॥ निरुतं अंश विष्णवे साहा ॥ अथ महिषं विनिनगं कधि
मामं साहा ॥ अथ यमं रुद्रं साहा ॥ रुद्रं खात्रादाडाह यं विदा
डाह यं धर्मगत्रया अत्र कथं कात्र दडा धर्मगलनं अथवा रुद्रं खा
स्या यदि न कुरु दसि कुरु अथवा आदि स्यात् न कुरु अथवा अरु
मि कुरु धनु रखा स्या यज्ञा कुरु सक्त कुरु माल धनु रखा स्या दाडाया

थसदा रुद्रा ककायाडा धदा कन वि कन याय धमिनं ना नदिला
डाधदा कनवालडा मगया दाडा मह निरुय मरुतं धमहा नि साधन
याय मंश धात्र न धमहा निन थम उल मवन स नानं मखन कुरु गा ॥
साया यात्र खात्र मिल दाडा मवन खनिडा रुना ध अरु वन उवाडा ख
नसा यात्र सया रुधन खन दं उडा रुना ॥ ॥ १ धनु रखा यात्रा
कायाडा अयला काया थात्र सकाया धम सन कयाल सगिल क्रम
वम धम उनिनय धदा क अथा सह सवख सा उडा सग मध्या

नडा नरुं डडा ना दगन दं डडा द वि द स न दं डडा वि उ व नं
व स्य दं डडा सो क पु मा द नां डडा धन धान रुं डडा स ग ३ ॥
दू ग थ या का व व नां डडा य थ न नि य स क नं डडा सि नि रुं डडा रु नां ॥
अथ वा ध द ग को व वं थ दा डान क क न सा स ना सा स न या डान कं
नं डडा डाम मि रु न रु व सां मि सा रु व सी दा कि नि रुं डडा रु ना ना म
थ डडा इ ग न का व डडा य नो व न डडा ना य व ला डडा यू जा या य ड गु नि

वि ध न दं डडा मि व क दं डडा ना सां नि रुं डडा रुं रुं न ड गु नि य स न रु
रुं डडा मि सा रु व सी मि रु न रु ल सी ड वि ध न नि व क व स्य रुं डडा रु
नां ॥ ध रु व र्वा या व सि का या व न थ दा डाल व स र्वा या ड ध र
स न थ ड गु नि स या य स द डो रु न डानं रुं डडा रु नां ॥ ध म ग नः
या क या व ध म ग ल या मि खा नि ड व नां ड ध र ड ना य व ला ड मि खा ड
व ग थ कि न स ज थ या क स ख न दं रुं स म न ख न दं रुं डडा रु नां ॥
ध म ग ल या म का या ड य ना व न ड ड नि म न ल दा ड य ना व न ड ना य

दिदाडा युनिचिनक्रुसुसथदाडा नय ॥ धममवनमिखानमखन
 कहुना ॥ ~~धमगलयाया~~ ॥ धमगलयाया ॥ धमगलयाया ॥ धमगलयाया ॥
 सहुभावकहुना ॥ धमगलयाया ॥ ॥ दायाक्रुसिंउडाहुना ॥ ॥
 धमगलयाया लेखनरुयाडावनयाडाडा सिजनगायलसुथदाडा
 क्रुसुसथमवनमखनकहुना ॥ ॥ धमगलयाया ॥ कायाडा हिये
 त्रिकायाडा मिहाहुना ॥ मिजनरुना ॥ धनिमानकडा क्रुजनपुदि
 हुंउडा ॥ ॥ धमगलयाया ॥ धाथकायाडा गलावनडा नयवलाडा वि

ननकिय सर्वमादनयायहु ॥ धुनिउलखायाविश्याहुना ॥ मंगथानेहु
 ना ॥ ॥ धुनिउलखाया ॥ डनमामा दोपंखिअमिन ॥ कमाखादा ॥ ड
 नमाकात्रगाविखादा ॥ धिगुलअंधालिखादा ॥ अश्वमदिपंखिनि
 नमकयिला मंगखादा ॥ अजयमंगरुगुखादा ॥ धुनिउलखाया
 मंगहुनायुग ४ ॥ ॥ धमगलयाया ॥ ॥
 सिद्धिगुन ॥ ॥ डंगालनिगालय ॥ मावनिमावय ॥ माकनिमा
 कय ॥ जिर्वददखादा ॥ धमगलयाया ॥ ॥

धमगलयाया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मातावनसमनकाजसिधुश्याउरुमा॥ ॥ देवि तु भगवता ॥ म
धर्मनिजुष्टमाश्लाहा॥ धान ॥ धर्मनखानकयनयाउधमहुयनय
नरुद०००॥ सवमारुनरु००॥ ॥ सिद्धि तु भगवता ॥ आकाशखुमि
मिमिनसुदसनंयकसिनिवाकसाधनवाकसा लकसिनिदागिनिये
वकासात्रिधधयाश्लाथांकाकयं वश्लाथं नथानसिद्धिरुला
रुन॥ धान १०००॥ धमरुनक्रानिदायनश्लाखनकयनयाउधम

विद्यावतः

सिद्धिगुणान्नाहं नित्यं गच्छेत् न वसनी धारत मन आउ
विन आउ काम न भादि अन साधन सिद्धि उ रुरु न ॥ धन २१
॥ ॥ धर्मगुण प्रियं गु ल अं ता य नू य क स ल कू स न हा का
थय ल व्या न न क ला ज चा न म स स म रा ग या द न धर्मगुण ज
प ल पा उ धू य क रू य ॥ स व का उ सि क्क द र्म य जा या य दि क्का
मा न व उ द स क कू मा न थू नि मा न द र्म सिद्धि रुरु न रू उ अ रू

विद्यावतः

ना विद्यावत ला मि अ गु र ॥ ॥ सिद्धिगुणान्नाहं नित्यं गच्छेत् न वसनी धारत मन आउ
मि वा वा धा मी गु न रू क का य रू क वि श्या गु न वा या वि वि श्या
रू न म रू रू स्वा हा ॥ धन २१ ॥ धर्मगुण लो हा य उ का या उ
मनु न सा ध न या य पि उ दि ग क्का य य २ मि दा उ क्का य क्क य न
थ उ क न या उ न य ॥ उ न यु न पि सा व दि कि नि ना ग धू या स
म न या रू य ना स ॥ ॥ सिद्धिगुणान्नाहं नित्यं गच्छेत् न वसनी धारत मन आउ
उ कि ति २ स र्व कि ति रू रू स्वा हा धन २१ ॥ धर्मगुण लो हा य उ का या उ

विद्यावतः

कथा १२ मवन जय नया

खा हा ॥ धम न ॥ धम कु न च क न ज य न पा डी या थ म यु य या
न म्या क या गा डी ॥ ॥ सिद्धि गु न जा हा ॥ डं ल रु ज न ल
हा रु न ल कू भा न भाल नि या छ व ल न व नि य न मो हूं रु ह
खा हा ॥ धम न ॥ धम कु न म थ का या व ख स ज य न पा डी ना
न क म व न ज य व न या न सी डी म या न सी म (ग ल क ह ना
॥ ॥ सिद्धि गु न जा हा ॥ डं कि हूं हूं वि न न हूं हूं रु हूं

वि क ३१२ या १२ धा थ

खा हा ॥ धम कु न म्म न म या या डी न क वि कू डी डी म न क वि
कू ना ग ना म रु ला ॥ ॥ सिद्धि गु न जा हा ॥ डं पि सा वि
य कू स व नि स र्वा य द व ना म नि य खा हा ॥ धम कु न ज य न
म कू कू म न या या डी वि कू डी डी कू का खा य क ॥ वि कू ना ग ना
म रु ना ॥ ॥ सिद्धि गु न जा हा ॥ डं मा ल यिल कू म्म खि
कू कू कि मि रु यं रु नि हूं रु हूं खा हा ॥ धम न १ ॥ धम कु न वि

वि कू डी डी म

॥ अथ धर्मधर्मजुमि न जूमि न यल म ॥ सिद्धिगु नूमा ह्ना ॥ धानिः
धालि मय दूत्रि ल ग न धा त्रि उ न धा त्रि पि सा स धा लि दू रू दू ॥
लख जय न पाडा गान क ॥ यद या ह्ना ॥ ॥ ॐ गु नू वा वा
॥ शि न ना त्रि कू मं ना स य दू रू दू ह्ना ह्ना ॥ धम रु धा न ॥ भा न स्या कः
या पू य ॥ ॥ ॐ न म अ र्जु न द वि ना न का य दू रू दू ह्ना ह्ना ॥ धम रु ज
य या य धा न ॥ १०८ ॥ धम रु ज य या य सिद्धि का य ह्ना न ह्ना ॥ ॥
वै कू या रु गु नि स ॥ स ह्ना त्रि या धि धा न वि या डी सा क या स न का न क वि

य म रु न न ल स उ त्रि न वि ह्ना य म रु न ॥ ॥
ॐ य अ र्जु न द वि ना न का य दू रू दू ह्ना ह्ना ॥ धम रु य न पाडा न य म व न अ वि या ल या य
म रु ह्ना ॥ ॥ ॐ न म श्री द य गि नि म ह्ना रै न वा य न म श्री म ह्ना रै
न वा य वि गि नि दू रू दू ह्ना ह्ना ॥ ॐ म ह्ना ग ना स न दू रू दू ह्ना ह्ना ॥ धम
रु धा न ॥ भा न स्या क या ह्ना क सि क यां जि डी पू य ॥ ॥ ॐ का
मू द धू न ह लि ज ॥ धम रु धा न ॥ भा न स्या क पू य ॥ ॥ सिद्धिगु
नूमा ह्ना ॥ ॐ म ह्ना स ना त्रि ल कू धा न दू दू रू सिद्धि ॥ धा न ॥ १५ ॥ धम रु

मो न स्या क या

अ वि ना न का

सिद्धिगु

सिद्धिगु य

मो न स्या क या

भिसावशा

न कस्तु लिखि कि धन कायाडा धान सनयाडा पूयदि द्वियवि शान्ना
॥ १८८ नमो गुनगुणा ॥ १८९ कालिका रंगनिनिखिलिं दि लि किं
लिं रू रू द्वादा ॥ धान न धमकुन रू स ग म यो रू स स य न कायाडा
धविद्याघान सहि आ दा या ना द स वा य क धन लि का या डा धन स का
याडा मि सा या न कि न क मि सा न ना व न म रु य क मि सा न वा ०० डा रू ना ॥
१९० नमो गुनगुणा ॥ क वि न ०० र वि न डा ०० ध न वां धू ध वा ००
१९१ अस्त रि षि आ ष सि षि आ ष भै र व ने त्र पाल गौ नि नि स हि न का ० ना सौ पुरे मंत्र मा हा डे व डं वा वे ॥

बाल १५॥ थो मंत्रन ॥ इमुनिजप्रपावलं उ नधवैक उ पलवयका ॥
 दाधू वाधू विनमसा वाधू जयं ह्रीं मन्त्रं न प्रयादि विनवावा ह्रीं थकि
 आ य विनयि न विह आ ह्रीं वावा मर्ग ह्रीं द्या ना न ना गिनि इ हा ह्रीं गु न
 र्थि ग का दू हा ह्रीं न मि घ वि न का दू हा ह्रीं वि न यं ह्रीं का स कि रु कि म कि
 क ह न व नि जू ज क न जा ह्रीं ज ग रु व ह रु आ वे व दू स न र्ज या व न मूषः
 आ वे रु न न न न न न जं जं जं ग कं कं कं थान ह्रीं शा नि मा हा द व कि वा व म सां
 र न व कि य क न ज य न य क त्रि य हा ह्रीं य आ व रु यि ह्या य य क वा वा इ ह्रीं वा
 यो नि न वा वा ॥ नि (ये नं) ॥ किं किं किं ॥

... १२ मसूर्यप्रकाश ...
... १० ...
... १२ मसूर्यप्रकाश ...
... १० ...
... १२ मसूर्यप्रकाश ...
... १० ...
... १२ मसूर्यप्रकाश ...
... १० ...

... १० ...
... १२ ...
... १० ...
... १२ ...
... १० ...
... १२ ...
... १० ...
... १२ ...